सो हमरी रक्षा करें

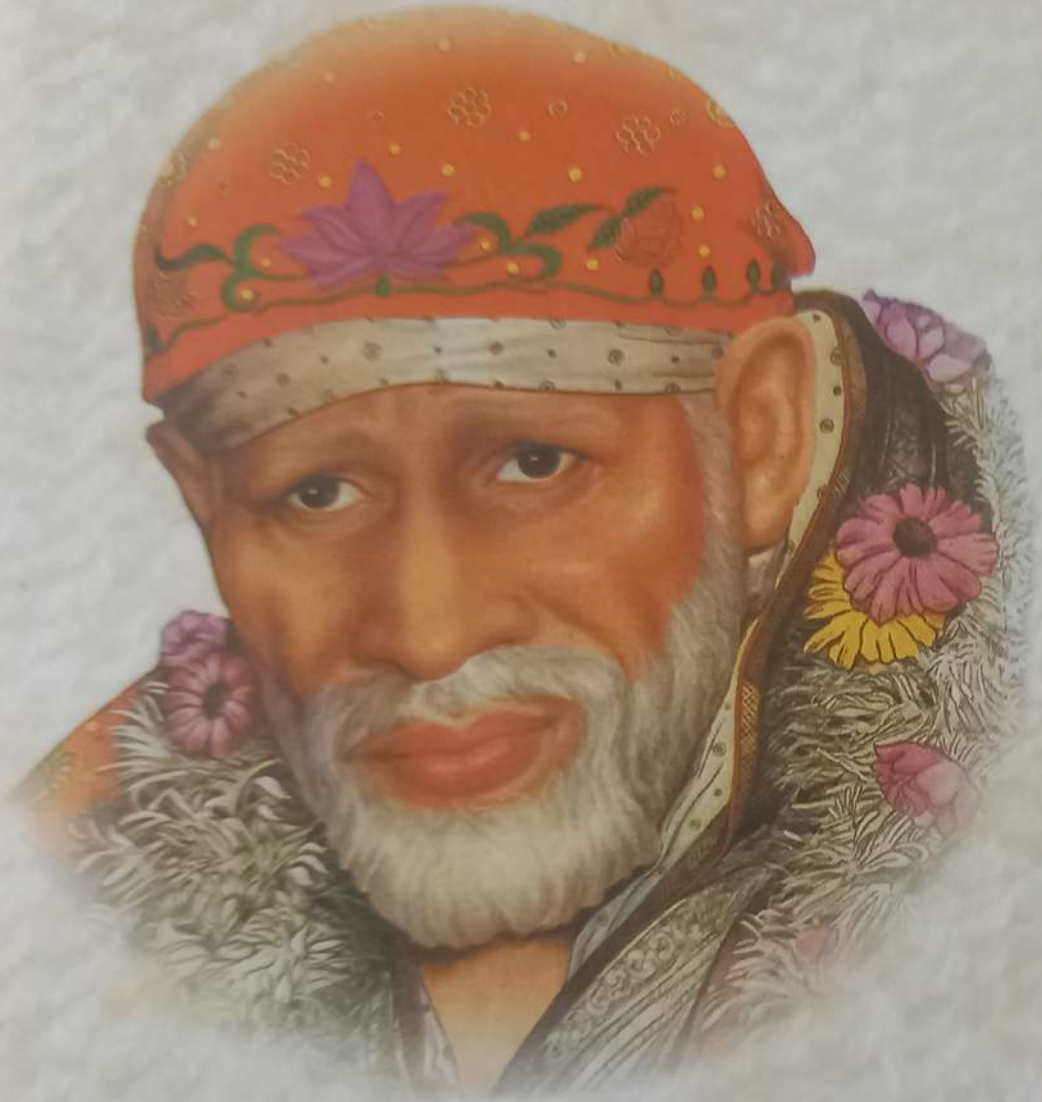

रक्षा मंत्र

प्रतिदिन पारायण के लिये

जहाँ दुःख है वहाँ इस पुस्तक
की जरूरत है।

''एक ओंकार श्री साईं बाबाजी सहाय''

'सो हमरी रक्षा करें'

जाके सिमरन भजन से जाएँ सभी क्लेश।
सो हमरी रक्षा करें गौरीपुत्र गणेश।।

जाने लाखों जीवों को निर्मल दीनो ज्ञान।
सो हमरी रक्षा करें सतगुरुनाथ सुजान।।

अनुसुया के जाए जो दत्तात्रेय भगवान।
सो हमरी रक्षा करें साईंनाथ सुजान।।

अंधे को जो चक्षु दें लूले को बलदान।
सो हमरी रक्षा करें साईंमात महान।।

अर्ध चन्द्रधारी मौलीश्वर पार्वती के साथ।
सो हमरी रक्षा करें दे कृपा का हाथ।।

महालक्ष्मी जी के स्वामी श्री विष्णु भगवान।
सो हमरी रक्षा करें बालक अपना जान।।

बाल भगत की रक्षा करने प्रगटे श्री भगवान।
सो हम पर अनुग्रह करें नरसिंह देव सुजान।।

जाके पितो अत्रेय ऋषि सती अनुसुया माँ।
सोम हमरी रक्षा करें साईं दत्त भगवान।।

जाने जग को पावन कीनो दियो हरि को नाम।
सो हमरी रक्षा करें चेतन्य देव सुजान।।

जाने अपने भक्तों पर कृपा सदा करी।
सो हमरी रक्षा करें विट्ठल नाथ हरि।।

जाकी कृपा से होए हर मन्नत परवान।
सो हमरी रक्षा करें बालाजी भगवान।।

लाखों जाकी कृपा से भजन करें सदेव।
सो हमरी रक्षा करें श्री गुरु नानक देव।।

जाने हिन्दु मुस्लिम को एक में कियो विलीन।
सो हमरी रक्षा करें बाबा ताजुद्दीन।।

जाने अपने भक्तों की सदा ही राखी लाज।
सो हमरी रक्षा करें श्री रामचन्द्र महाराज।।

जाके भय से असुरों के छूट जाएँ हैं प्राण।
सो हमरी रक्षा करें महावीर हनुमान।।

जाके भय से जादू टोने भूत प्रेत हों नाश।
सो हमरी रक्षा करें साईं सत्य प्रकाश।।

नारायण के रुप जो जग को करें सनाथ।
सो हमरी रक्षा करें जगतगुरु नवनाथ।।

जाने मारकंडे को दीनो जीवन दान।
सो हमरी रक्षा करें श्री शंकर भगवान।।

जाकी महिमा ऋषि-मुनि वेद-पुराणन गाई।
सो हमरी रक्षा करें महाकलिका माई।।

जाकी पूजा सिमरन से होए सदा कल्याण।
सो हमरी रक्षा करें दुर्गा मात महान।।

जाकी कृपा दृष्टि से जाए अंधेरी रात।
सो हमरी रक्षा करें महासरस्वती मात।।

जाने जग में प्रेम की अमृत नदी बहाई।
सो हमरी रक्षा करें श्री राधिका माई।।

जाकी करनी देख-देख सर्व जगत सुखपाता।
सो हमरी रक्षा करें श्री जानकी माता।।

जाके तट पर युग-युग में आए सन्त सुजान।
सो हमरी रक्षा करें गंगा मात महान।।

सुग्रीव विभिषण अंगद को दियो अभय वरदान।
सो हमरी रक्षा करें श्री रामचन्द्र भगवान।।

जाने जग में प्रेम की अमृत नदी बहाई।
सो हमरी रक्षा करें श्री राधिका माई।।

जाकी करनी देख-देख सर्व जगत सुखपाता।
सो हमरी रक्षा करें श्री जानकी माता।।

जाके तट पर युग-युग में आए सन्त सुजान।
सो हमरी रक्षा करें गंगा मात महान।।

सुग्रीव विभिषण अंगद को दियो अभय वरदान।
सो हमरी रक्षा करें श्री रामचन्द्र भगवान।।

जाको सच्चे भाव से पूजे संत समाज।
सो हमरी रक्षा करें गजानन महाराज।।

महाकाली का रूप जो सत्पुरूषों का मान।
सो हमरी रक्षा करें श्री राम कृष्ण भगवान।।

जन को साची भक्ति दें घट में आतम ज्ञान।
सो हमरी रक्षा करें साईंमात महान।।

बालक बुद्धि जीव को सदा करें प्रदान।
सो हमरी रक्षा करें कालीमात महान।।

दीन दुःखी के आश्रय जन पर सदा दयाल।
सो हमरी रक्षा करें साईंनाथ कृपाल।।

ब्रम्ह ज्ञान के दाता जो संतों के सरताज।
सो हमरी रक्षा करें ज्ञानेश्वर महाराज।।

शरण आए हुए के अपराधों को क्षमा करें भगवान।
सो हमरी रक्षा करें साईंमात सुजान।।

"ॐ श्री साई"